



* R F - 3 1 0 4 / 1 0 0 0 *

RF-3104
M. A. (Part-I) Examination
April / May - 2010
Hindi : Paper - IV
(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

Time : 3 Hours]

[Total Marks : 70

सूचना :

(9)

<p>नीचे दशांशवैल निशानीवाणी विगतो उत्तरवही पर अवश्य लभवी. Fillup strictly the details of signs on your answer book.</p> <p>Name of the Examination : M. A. (Part-1)</p> <p>Name of the Subject : Hindi - 4</p> <p>Subject Code No. : 3 1 0 4 Section No. (1, 2,.....): 1&2</p>	<p>Seat No. :</p> <table border="1" style="width: 100%; height: 20px;"><tr><td style="width: 15%;"></td><td style="width: 15%;"></td><td style="width: 15%;"></td><td style="width: 15%;"></td><td style="width: 15%;"></td><td style="width: 15%;"></td></tr></table> <div style="border: 1px solid black; border-radius: 15px; height: 60px; margin-top: 10px; display: flex; align-items: center; justify-content: center; padding: 10px;">Student's Signature</div>						

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(3) दोनों विभागों के उत्तर अलग-अलग उत्तर पुस्तिकाओं में लिखिये ।

विभाग-9

9 हिन्दी के विभिन्न रूपों का परिचय दीजिये । 98

अथवा

9 टिप्पण और प्रारूपण के पारस्परिक संबंध को दर्शाते हुए टिप्पण की
लाक्षणिकताएँ बताइये । 98

2 पत्रकारिता की परिभाषा देते हुए उसके उद्देश्यों को बताइये । 98

अथवा

2 हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास का सामान्य परिचय दीजिये । 98

3 दृश्य-श्रव्य जनसंचार माध्यमों का परिचय दीजिये । 98

अथवा

3 विज्ञापन का महत्त्व सिद्ध करते हुए विज्ञापनी-भाषा का परिचय दीजिये । 98

विभाग-२

- ४ कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिये । १४
- अथवा
- ४ अनुवाद से क्या तात्पर्य है ? उसके क्षेत्रों का परिचय दीजिये । १४
- ५ (अ) निम्नलिखित शब्दों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये - ७
- (1) Peon - पटावाणो
 - (2) Accountant - हिसाबनीश
 - (3) Medical Officer - तबीबी अधिकारी
 - (4) Worker - कामदार
 - (5) Recession - मंदी
 - (6) Loan - धिराश
 - (7) Unit - अेकम.
- (ब) गुजराती या अंग्रेजी गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिये : ७

भारत सिवाय विश्वमां भाग्ये ज अेवो कोर्र देश उशे ज्यां कोर्र विदेशी भाषाना माध्यममां शिक्षण अपातुं डोय. राजनीतिक गुलामीना इणस्वरुप भारतीय विश्वविद्यालयोमां अंग्रेज भाषानो उच्च शिक्षणना माध्यमना रूपमां स्वीकार करवामां आवेलो, पण देश स्वतंत्र थया बाद डवे आ अस्वाभाविक स्थिति वधारे समय याली शके नडीं. महात्मा गांधीज जेवा नेताओअे तो स्वातंत्र्यसंग्रामना जमानामां ज आ विदेशी माध्यमनी विरुद्ध अवाज उठावेलो.

अथवा

There would be hardly any country like India in the world, where the medium of instruction is foreign language. English was accepted as a medium of higher education in the Indian Universities as a result of Political slavery. But after the freedom of the nation this unnatural situation can not be accepted any longer. Leaders like Mahatma Gandhi raised their voice against the medium of foreign language.